आयोजन

समाज की जड़ों को मजबूत करता है शिक्षक : डॉ. मोहिनी

संवाद न्यूज एजेंसी

अमरोहा। जेएस हिंदू कॉलेज में सात दिवसीय शोध कार्यशाला की शुरुआत हो गई। मुख्य अतिथि डॉ. मोहिनी अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों के माध्यम से समाज की जड़ों को मजबूत करता है। शिक्षक अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी व निष्ठा से करें।

कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यशाला में प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने अनुसंधान की प्रक्रिया में आने वाली जटिलताओं को रेखांकित किया। डॉ. मोहम्मद तारिक ने शोध में तीन आधारभूत प्रवृत्तियां, ज्ञान की धारणा, नेचर आफ नॉलेज एवं परसेप्शन का रियलिटी जैसे शोध विषयों पर रोशनी डाली। बताया कि शोध में संश्लेषण का महत्वपूर्ण स्थान है तथा इसके बिना शोध अपूर्ण है।

डॉ. संजय जौहरी ने सामाजिक शोध की अनिवार्यता, तथ्यों की सच्चाई तथा सूचना की प्रक्रिया का शोध में योगदान इन सभी बिंदुओं को प्रभावी तरीके से उजागर किया।

जेएस पीजी कॉलेज में कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. वीर विरेंद्र। संवाद

शोध कार्यशाला की मुख्य अतिथि डॉ. मोहिनी अग्रवाल, राजधानी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का स्वागत डॉ. हिमांशु शर्मा अंग्रेजी विभाग, डॉ. बीना रुस्तगी ने बैज लगाकर किया। कार्यशाला में डॉ. राजन लाल, डॉ. नवनीत कुमार, डॉ. संजय जोहरी को प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस दौरान डॉ. एनपी मौर्य, डॉ. संगीता धामा, डॉ. सचिन पांचाल, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. शबीना लकी, डॉ. नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में शोध प्रबंध एवं गुणवत्ता पर डाली रोशनी

जेएस डिग्री कॉलेज में हुआ सात दिनी शोध कार्यशाला का शुभारंभ

खास बात

कार्यशाला में शोध विद्वानों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। जेएस हिंदू महाविद्यालय में सोमवार को सात दिवसीय शोध कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन डॉक्टर अनुराग पांडे ने किया।

शोध कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने अनुसंधान की प्रक्रिया में आने वाली जटिलताओं को रेखांकित किया। शोध कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ० मोहम्मद तारिक तथा डॉ० संजय जौहरी असिस्टेंट प्रोफेसर केजीके कॉलेज मुरादाबाद रहे।

डॉ० मोहम्मद तारिक ने शोध में तीन आधारभूत प्रवृत्तियां, ज्ञान की धारणा, नेचर आफ नॉलेज, ओंटोलॉजी एवं परसेप्शन का रियलिटी जैसे शोध विषयों पर रोशनी डालते हुए शोधार्थियों का ज्ञानवर्धन किया।

उन्होंने बताया कि शोध में संश्लेषण का महत्वपूर्ण स्थान है तथा इसके बिना शोध अपूर्ण है। डॉ० संजय जौहरी ने सामाजिक शोध की अनिवार्यता, तथ्यों की सच्चाई तथा सूचना की प्रक्रिया का शोध में योगदान इन सभी बिंदुओं को प्रभावी तरीके से अपने वक्तव्य में उजागर किया।

शोध कार्यशाला की चीफ गेस्ट डॉ० मोहिनी अग्रवाल, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का गर्म जोशी से स्वागत डॉ० हिमांशु शर्मा अंग्रेजी विभाग ने किया। डॉ० बीना रूस्तगी ने डॉक्टर मोहिनी अग्रवाल को बैच लगाकर उनका हार्दिक अभिनंदन किया। कार्यशाला में डॉ० राजन लाल ने शोधार्थियों से प्रश्न उत्तर का एक सेशन करके उनका उत्साह बढ़ाया। डॉ० नवनीत कुमार आरएसी कोऑर्डिनेटर ने डॉ० संजय जोहरी को प्रतीक चिन्ह भेंट किया तथा शोधार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए शोध प्रबंध एवं शोध गुणवत्ता पर रोशनी डाली। शोध कार्यशाला में शोध विद्वानों ने बढ़-चढ़कर उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान डॉ० एनपी मौर्य, डॉ० संगीता धामा, डॉ० सचिन पांचाल डॉ० मुकेश कुमार, डॉ० शबीना लकी, डॉ० नीरज कुमार, डॉ० सविता राणा, डॉ० विशेष कुमार राय, अमित भटनागर, विकास मोहन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

पेट्रोल पंप मेरे नाम खिलाफ केस दर्ज किया गया है। नहीं थे। संवाद

...कराया

...रती जेसीबी। संवाद

...मौके पर पहुंच ...ली। पालिका की ...वैध निर्माण को ...करा दिया। इस ...हो गए। संवाद

शोध तथ्य से सत्य निकालने की प्रक्रिया : डॉ. नवनीत

अमरोहा। जेएस हिंदू कॉलेज में सात दिवसीय शोध कार्यशाला के तीसरे दिन शोध सलाहकार समिति के समन्वयक डॉ. नवनीत विश्नोई ने कहा कि शोध तैं य से सत्य निकालने की प्रक्रिया है। इसके लिए वैज्ञानिक पद्धति के क्रमबद्ध और सुव्यवस्थित स्टेप्स से होकर गुजरना ही पड़ेगा।

बुधवार को तीसरे दिन कार्यशाला का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं शोध सलाहकार समिति के तत्वाधान में किया गया। बीबीए विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनीष टंडन ने स्टेप्स इन सोशल रिसर्च विषय व्याख्यान दिया। डॉ. नवनीत विश्नोई ने कहा कि शोध तथ्य से सत्य निकालने की प्रक्रिया है। डीएसएम

अमरोहा के जेएस हिंदू पीजी कॉलेज में शोध कार्यशाला में बोलते वक्ता। संवाद

कॉलेज कांठ, मुरादाबाद असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग डॉ. शिवराम सिंह ने शोध अभिकल्प की परिभाषा, नई खोज का आलोचनात्मक अध्ययन, विषय का चयन करते समय ध्यान रखने वाले महत्वपूर्ण बिंदुओं तथा प्राथमिक आंकड़ों का संकलन और उनकी शोध परिकल्पना में उपयोगिता आदि विषयों के बारे में बताया। संवाद

साहित्य समीक्षा शोध का एक अभिन्न अंग : अरविन्द कुमार

खास बात

डॉ0 अपर्णा तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंटकर गीतांजलि ने किया धन्यवाद

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। जेएस हिंदू महाविद्यालय में सात दिवसीय शोध कार्यशाला का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं शोध सलाहकार समिति के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। शोध कार्यशाला के चतुर्थ दिवस का प्रारंभ मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पण करके हुआ।

इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में शोधार्थियों कार्यशाला में पधारे विद्वान साथियों के द्वारा दिए गए संबोधन से ज्ञानार्जन करके अपने शोध की गुणवत्ता और आयोजना को सुव्यवस्थित करने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ0 अरविंद कुमार तथा डॉक्टर अपर्णा तिवारी गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज मुरादाबाद रहे। मुख्य वक्ताओं का स्वागत आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा के समन्वयक डॉक्टर हिमांशु शर्मा द्वारा किया गया?।

प्रथम सत्र के विद्वान प्रवक्ता डॉ0 अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में शोध में साहित्य की समीक्षा तथा प्रक्रिया जैसे विषय को विस्तृत तरीके से प्रस्तुत कर शोधार्थियों को अपने वक्तव्य से लाभान्वित किया। उन्होंने शोध में साहित्य की समीक्षा की परिभाषा, किसी विषय का अवलोकन, प्रकाशित साहित्य की एक संगठित जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि साहित्य समीक्षा शोध का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कालिदास के रघुवंश से उदाहरण देते हुए शोध साहित्य समीक्षा की भारतीय साहित्य में प्रासंगिकता तथा साहित्य समीक्षा की विशेषताएं रेखांकित की।

कार्यशाला की द्वितीय मुख्य वक्ता डॉ0 अपर्णा तिवारी, गोकुल दास हिंदू गर्ल्स कॉलेज, मुरादाबाद ने उपकल्पना की परिभाषा बताते हुए कहा कि उपकल्पना का निर्माण शोध समीक्षा पर आधारित होता हैं तथा अनुभवाश्रित संदर्भ जैसी विशेषताओं का उल्लेख करते हुए, उपकल्पना का शोध में योगदान, उपकल्पना के स्रोत, उपकल्पनाओं के प्रकार उल्लेखित किये। कल्याणी, प्रदीप कुमार, पूजा गुप्ता, शोभित यादव, रवि कुमार, जया तिवारी आदि शोधाथीयों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक को भाग किया। डॉ0 अपर्णा तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सुश्री गीतांजलि ने उनका धन्यवाद किया। डॉ0 हिमांशु शर्मा ने डॉक्टर अपर्णा तिवारी को प्रमाण पत्र भेंटकर सम्मानित किया। डॉ0 नवनीत कुमार ने कार्यशाला के सत्र के समापन पर मुख्य वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि कार्यशाला आपकी शोध यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो आपके मार्गदर्शन के साथ ही आपके शोध को समृद्धशाली बनाने में योगदान करेगा।

इस दौरान डॉ0 प्रदीप कुमार, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 सत्यप्रकाश परमार, डॉ0 सचिन पांचाल, डॉ0 मोहम्मद तारिक, डॉ0 विजय यादव, डॉ0 राजन लाल, डॉ0 एनपी मौर्य, अरविंद यादव, डॉ0 नीरज त्यागी, डॉ0 नीरज कुमार, डॉ0 शबीना लकी मौजूद रहे।

शोध तथ्य से सत्य निकालने की प्रक्रिया : डॉ0 विश्नोई

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। जेएस हिंदू महाविद्यालय में सात दिवसीय शोध कार्यशाला का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं शोध सलाहकार समिति के तत्वाधान में किया जा रहा है। तृतीय दिवस की शुरूआत माँ सरस्वती को पुष्प अर्पण करके हुई। मुख्य वक्ताओं का स्वागत परिचय डॉ0 हिमांशु शर्मा अंग्रेजी विभाग ने किया। प्रथम व्याख्यान बीबीए विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 मनीष टंडन द्वारा ह्वस्टेप्स इन सोशल रिसर्चह्न विषय पर दिया गया। आपने अनुसंधान उद्देश्य और परिकल्पना का निर्माण, शोध अवधारणा की प्रक्रिया, शोध अभिकल्प, आंकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या एवं परिकल्पनाओं का परीक्षण आदि सभी महत्वपूर्ण विषयों पर अपना व्याख्यान देते हुए डॉ0 मनीष ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यशाला के द्वितीय मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 शिवराम सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, डीएसएम कॉलेज कांठ, मुरादाबाद उपस्थित रहे। आपने शोध अभिकल्प की परिभाषा, नई खोज का आलोचनात्मक अध्ययन, विषय का चयन करते समय ध्यान रखने वाले महत्वपूर्ण बिंदुओं तथा प्राथमिक आंकड़ों का संकलन और उनकी शोध परिकल्पना में उपयोगिता आदि विषयों को विस्तृत रूप से व्याख्यायित किया।

मंच का संचालन कर रहे डॉ0 अनुराग पांडे समाजशास्त्र विभाग एवं आइक्यूएसी प्रकोष्ठ के संयोजक ने शोध में अध्ययन क्षेत्र, शोध रूपरेखा तथा आंकड़ों के संकलन की शोध अभिकल्पना में उपयोगिताओं को रेखांकित करते हुए शोधार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए, उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यशाला में शोधार्थी कल्याणी, प्रदीप कुमार, पूजा गुप्ता, शोभित यादव, रवि कुमार, जया तिवारी आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला के सत्र समापन पर शोध सलाहकार समिति के समन्वयक डॉ0 नवनीत विश्नोई ने कहा कि ह्वशोध तथ्य से सत्य निकालने की प्रक्रिया है। इसके लिए वैज्ञानिक पद्धति के क्रमबद्ध और सुव्यवस्थित स्टेप्स से होकर गुजरना ही पड़ेगा। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं के सारगर्भित और तार्किक उद्बोधन के लिए आपने आभार और धन्यवाद प्रकट किया।

इस दौरान डॉ0 अरविंद कुमार, डॉ0 राजकिशोर शुक्ला, डॉ0 नीरज त्यागी, डॉ0 रश्मि गुप्ता, डॉ0 विजय यादव, डॉ0 जितेंद्र कुमार, डॉ0 मोहित कुमार, डॉ0 आभा सिंह, डॉ0 सचिन पांचाल, डॉ0 मोहम्मद तारिक, डॉ0 एनपी मौर्य, डॉ0 राजन लाल, मयंक अरोड़ा, सलमान, गौतम अरोड़ा, अमित भटनागर, डॉ0 पीयूष शर्मा आदि मौजूद रहे।

रिसर्च मे थाडोलॉजी इन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विषय पर आयोजित कार्यशाला का समापन

न्यूज फ्लेम
संवाददाता

अमरोहा। जेएस हिंदू महाविद्यालय में रिसर्च मे थाडोलॉजी इन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विषय पर आयोजित की जा रही शोध कार्यशाला के अंतिम दिवस का प्रारंभ कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ राजन लाल, अंग्रेजी विभाग के व्याख्यान से हुआ उन्होंने ग्रंथ सूची एवं संदर्भ शैली विषय पर उसके प्रकारों का उदाहरण सहित उल्लेख करते हुए शोध में ग्रंथ सूची तथा संदर्भ शैली का महत्व तथा शोध में विभिन्न स्त्रोतों से संदर्भ टेंप्लेटों से शोधार्थियों को अवगत कराया। कार्यशाला के दूसरे मुख्य वक्ता डॉ सचिन पांचाल, मनोविज्ञान विभाग ने कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये ।उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट, साहित्यिक चोरी के विभिन्न प्रकार -आकस्मिक साहित्यिक चोरी, स्वयं साहित्य चोरी, समुच्चित साहित्यिक चोरी, प्रत्यक्ष साहित्यिक चोरी जैसे विषयों को परिभाषित करते हुए, संक्षिप्त व्याख्या सहित शोध में साहित्यिक चोरी से कैसे बचा जाए मंच का

संचालन कर रहे आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहसमन्वयक डॉक्टर अनुराग पांडे ने विभिन्न स्त्रोतों से उध्दहरण का शोध की संदर्भ शैली में सूक्ष्म तरीके से उपयोग बात कर शोधार्थियों को जागरूक किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ हिमांशु शर्मा ने दोनों मुख्य वक्ताओं को प्रमाण पत्र भेंट कर उनका आभार प्रकट किया कार्यशाला के द्वितीय तथा समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ किरण चौधरी शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय,का स्वागत प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने गर्म जोशी से किया डॉ किरण चौधरी का स्वागत परिचय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक श्री हिमांशु शर्मा ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ किरण चौधरी का माला पहनाकर एवं वेज लगाकर डॉ नीरज त्यागी, अंग्रेजी विभाग ने हृदय से स्वागत किया। डॉ किरण चौधरी, शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय ने शोध में नैतिकता तथा साहित्यिक चोरी विषय पर अपने व्याख्यान में शोध नैतिकता की परिभाषा, नैतिकता के सिद्धांत, शोध प्रकाशन में नैतिकता, शोध नैतिकता की महत्ता इन सभी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत रूप से शोधार्थियों को अपने वक्तव्य से लाभान्वित किया इसी क्रम में प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने डॉक्टर किरण चौधरी मुख्य अतिथि को आभार स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। ज्योति मिश्रा, जया तिवारी, वजीहा खान, रुखसार, डॉ रुपाली त्यागी, शोभित यादव, रवि कुमार, अनुराग तिवारी, पीयूष यादव,नयनप्रीत कौर आदि शोधार्थियों ने कार्यशाला में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया इस मौके पर कार्यशाला में डॉ आभा सिंह, डॉ संगीता धामा, डॉ नीरज त्यागी, डॉक्टर शबीना लकी डॉ नीरज कुमार, डॉ मोहित शर्मा, डॉ सत्य प्रकाश परमार, डॉ एनपी मौर्य,डॉ देवेंद्र कुमार,डॉ जितेंद्र कुमार अमित भटनागर, मनीष टंडन, डॉ विजय यादव, डॉ अरविंद यादव मौजूद रहे।

जे एस हिंदू डिग्री कॉलेज में रिसर्च मेथाडोलॉजी इन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला का शनिवार को हुआ समापन

उपकार केसरी

अमरोहा नगर के जेएस हिंदू महाविद्यालय में रिसर्च मेथाडोलॉजी इन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विषय पर आयोजित की जा रही शोध कार्यशाला के अंतिम दिवस का प्रारंभ कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ राजन लाल, अंग्रेजी विभाग के व्याख्यान से हुआ उन्होंने ग्रंथ सूची एवं संदर्भ शैली विषय पर उसके प्रकारों का उदाहरण सहित उल्लेख करते हुए शोध में ग्रंथ सूची तथा संदर्भ शैली का महत्व तथा शोध में विभिन्न स्रोतों से संदर्भ टेंप्लेटों से शोधार्थियों को अवगत कराया। कार्यशाला के दूसरे मुख्य वक्ता डॉ सचिन पांचाल, मनोविज्ञान विभाग ने कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट, साहित्यिक चोरी के विभिन्न प्रकार -आकस्मिक साहित्यिक चोरी, स्वयं साहित्य चोरी, समुच्चित साहित्यिक चोरी, प्रत्यक्ष साहित्यिक चोरी जैसे विषयों को परिभाषित करते हुए, संक्षिप्त व्याख्या सहित शोध में साहित्यिक चोरी से कैसे बचा जाए मंच का संचालन कर रहे आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहसमन्वयक डॉक्टर अनुराग पांडे ने विभिन्न स्रोतों से उध्दहरण का शोध की संदर्भ शैली में सूक्ष्म तरीके से उपयोग बात कर शोधार्थियों को जागरूक किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ हिमांशु शर्मा ने दोनों मुख्य वक्ताओं को प्रमाण पत्र भेंट कर उनका आभार प्रकट किया कार्यशाला के द्वितीय तथा समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ किरण चौधरी शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय,का स्वागत प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने गर्म जोशी से किया डॉ किरण चौधरी का

स्वागत परिचय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक श्री हिमांशु शर्मा ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ किरण चौधरी का माला पहनाकर एवं बेज लगाकर डॉ नीरज त्यागी, अंग्रेजी विभाग ने हृदय से स्वागत किया। डॉ किरण चौधरी, शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय ने शोध में नैतिकता तथा साहित्यिक चोरी विषय पर अपने व्याख्यान में शोध नैतिकता की परिभाषा, नैतिकता के सिद्धांत, शोध प्रकाशन में नैतिकता, शोध नैतिकता की महत्ता इन सभी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत रूप से शोधार्थियों को अपने वक्तव्य से लाभान्वित किया इसी क्रम में प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने डॉक्टर किरण चौधरी मुख्य अतिथि को आभार स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। ज्योति मिश्रा, जया तिवारी, वजीहा खान, रुखसार, डॉ रुपाली त्यागी, शोभित यादव, रवि कुमार, अनुराग तिवारी, पीयूष यादव,नयनप्रीत कौर आदि शोधार्थियों ने कार्यशाला में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया इस मौके पर कार्यशाला में डॉ आभा सिंह, डॉ संगीता धामा, डॉ नीरज त्यागी, डॉक्टर शबीना लकी डॉ नीरज कुमार, डॉ मोहित शर्मा, डॉ सत्य प्रकाश परमार, डॉ एनपी मौर्य,डॉ देवेंद्र कुमार,डॉ जितेंद्र कुमार अमित भटनागर, मनीष टंडन, डॉ विजय यादव, डॉ अरविंद यादव मौजूद रहे।